मोड्यूल 1 : अनेकता में एकता भारत की संस्कृति का आधार है ।

तारीख:

सीखने का प्रतिफल :

- चित्रवाचन करके आशय का मौखिक प्रस्तुतीकरण करता है।
- चित्रवाचन करके देश की विशेषताएँ लिखता है।
- कविता का आलाप करता है।
- कविता पढकर आशय लिखता है।
- पंक्तियों का / शब्दों का विश्लेषण करता है।
- कविता के तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखता है।

आशय / अवधारणा :

- अनेकता में एकता भारत की संस्कृति का आधार है।
- भारत की अनेक खूबियाँ है।
- भारत की खूबियाँ कविता का विषय बनी है।

समय : 5 कालांश

सामग्री : पाठ्यपुस्तक, वीडियो, वर्कशीट

उपज : वर्कशीट

गतिविधि - 1 चित्रवाचन

अनौपचारिक संवाद

अध्यापिका पन्ना 27 का चित्र आई.सी.टी. द्वारा दिखाती है।
प्रश्न पूछती है,

- यह किसका चित्र है ?
- यहाँ किससे भारत बनाया है ?
- केरल राज्य कहाँ स्थित है ?
- पूर्व दिशा में कौन — सा देश है ?
- पश्चिम दिशा में कौन — सा देश है ?
- कश्मीर कहाँ स्थित है ?

छात्रों की प्रतिक्रिया का अवसर।

उत्तर, पश्चिम, पूर्व, दक्षिण दिशाओं के आधार पर दल बनाते है।
दल में बैठकर भारत की विशेषताएँ लिखने का निर्देश देती है।

कहती है,
इसमें जुडी पंक्तियाँ पढने का निर्देश देती है।
अध्यापिका " हिंद देश की निवासी .....“ देशभक्ति गीत की वीडियो दिखाती है ।
छात्रों को मिलकर गाने का अवसर देती है।
पूछती है,
इन पंक्तियों का चित्र से क्या संबंध है ?
छात्रों की प्रतिक्रिया का अवसर ।

अनुबद्ध कार्य : भारत के राज्यों के बारे में टिप्पणी तैयार करें।

गतिविधि - 2 कवितालापन

अनौपचारिक संवाद

अध्यापिका अनुबद्ध कार्य का मूल्यांकन करती है।

(**मुल्यांकन सूचि** : शीर्षक दिया है,क्रमबद्धता है,आशय युक्त है,संक्षिप्तीकरण है।)

अध्यापिका आई.सी.टी. द्वारा कविता सुनाती है।

पन्ना 28 की कविता का वाचन करने का निर्देश देती है।

शब्दकोश की सहायता से अपरिचित शब्दों का परिचय पाते है।

नये शब्द फ्लाश कार्ड में दिखाती है।

देश : രാജ്യം

तारा : നക്ഷത്രം

चमकना : തിളങ്ങുക

जान : ജീവൻ

पाँव : കാൽ

सहायक सामग्री

छात्रों को समानार्थवाले शब्द और विलोम शब्द का परिचय करवाते है।

समानार्थवाले शब्द

बलिदान — कुर्बानी
सागर — समुद्र
जान — जीवन
पाँव — पैर

विलोम शब्द

सत्य X असत्य
अहिंसा X हिंसा
एकता X अनेकता

छात्रों को दल में बिठाकर कविता के आशय का लेन - देन करने को पर्याप्त समय देती है।

आशय ग्रहण करने केलिए सरल प्रश्न पूछती है।

- चमके जैसे जगमग तारा किसे कहता है ?
- किसने भारत को संवारा ?

छात्रों की प्रतिक्रिया अध्यापिका श्यामपट पर लिखती है।

गतिविधि - 3 तुकांत शब्द

अनौपचारिक संवाद

छात्रों को दल में बिठाकर कविता को ताल देने का निर्देश देती है।
दलों द्वारा प्रस्तुतीकरण करती है।
'जगमग तारा' कविता से तुकांतवाले शब्द चुनकर लिखने का निर्देश देती है।
अध्यापिका **वर्कशीट 1** देती है।
तुकांत शब्द चुनकर लिखने को कहती है।
अध्यापिका त्रुटियाँ सुधार कर देती है।
वर्कशीट 1 पोर्टफोलिओ में रखते है।

अनुबद्ध कार्य : **वर्कशीट 2** की पूर्ति करें।

गतिविधि -4 अभ्यास कार्य

अनौपचारिक संवाद

दिए गए वर्कशीट की जाँच करती है।
त्रुटियाँ सुधार करके पोर्टफोलिओ में रखते है।
पूछती है,
"चमके जैसे जगमग तारा से क्या मतलब है"
छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर देती है।
छात्र वैयक्तिक रूप से लिखते है।
अध्यापिका मदद कर देती है।
पूछती है,

- कौन जगमग तारा जैसे चमकता है ?
- भारत अब किन — किन क्षेत्रों में जगमग रहा है।

छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर देती है।
पन्ना 30 का अभ्यास कार्य वैयक्तिक रूप से लिखने का निर्देश देती है।

अनुबद्ध कार्य : वर्कशीट 3 देती है।

गतिविधि - 5 अभ्यास कार्य

अनौपचारिक संवाद

छात्रों द्वारा तैयार किये गए वर्कशीट की जाँच करती है। त्रुटियाँ सुधार करके पोर्टफोलिओ में रखते है।
पन्ना संख्या 31 लेने का निर्देश देती है।
कविता का आशय वैयक्तिक रूप से लिखने का निर्देश देती है।
चुनिंदे छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर देती है।
दलों में परिमार्जन करते है।
अध्यापिका अपनी प्रस्तुति दिखाती है।

कविता का आशय

जगमग तारा कविता भारत की खूबियों पर लिखी गई है। इस कविता के ज़रिए कवि ने भारत को जगमगाता तारा कहा है। सदा सत्य और अहिंसा की रक्षा करनेवाले हमारे भारत को कई बलिदानों ने मिलकर संवारा है। भारतवासी अपने वतन को जान से ज़्यादा प्यार करते हैं। इसके प्राकृतिक सौंदर्य पर भी कवि ने प्रकाश डाला है। भारत के दक्षिण में सागर फैला पड़ा है। कवि इसकी तुलना भारत के पसारे पावों से करते हैं। यह हमेशा विश्व को सत्य की जय का संदेश देता आया है। अपनी इन खूबियों से भारत पूरे विश्व में तारे के समान जगमग रहा है।

अनुबद्ध कार्य : वर्कशीट 4 की पूर्ति करें ।

▲